

(1100/SPR/KN)

1100 बजे

(डॉ. वीरेन्द्र कुमार, माननीय सामयिक अध्यक्ष पीठासीन हुए)

RE : ELECTION OF SPEAKER

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): माननीय स्पीकर सर, छोटा सा निवेदन है। हमारी पार्टी की तरफ से आज स्पीकर चुनने के लिए हमने दरखास्त की है, मतलब मोशन का नोटिस दिया है कल। कल हमारा मोशन के लिए नोटिस देने के बावजूद हमारी पार्टी का नाम प्रिटिंग में नहीं आया। लेकिन कल हम लोगों ने मोशन के लिए नोटिस दिया है और पार्लियामेंटी अफेयर्स मिनिस्टर मेघवाल साहब को भी सौंप दिया था, लेकिन वह अब तक प्रिटिंग में नहीं है, इसलिए अच्छा नहीं लगता कि सब के नाम हैं, हम लोगों का नाम नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, अधीर रंजन जी। उसको देखते हैं।

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): We should know as to what is happening to the Government. ...*(Interruptions)*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF COAL AND

MINISTER OF MINES (SHRI PRALHAD JOSHI): Let me clarify. मैं क्लेरिफाई करता हूँ। मैंने कांग्रेस पार्टी से और टी.आर. बालू साहब से भी रिक्वेस्ट की थी। उन्होंने दिया, लेकिन उनके डिसिजन मेकिंग प्रोसेस में थोड़ा डिले हुआ, इसलिए 12:05 पर वह पहुँचा टेबल ऑफिस में, इसलिए नहीं आया। फिर भी हम आपकी तरफ से भी माननीय स्पीकर साहब को रिक्वेस्ट करते हैं कि आपका मोशन मूव करने के लिए अलाउ करें। यह मैं रिक्वेस्ट करता हूँ गवर्नमेंट की तरफ से।

MEMBERS SWORN – Contd.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, जिन सदस्यों ने शपथ नहीं ली अथवा प्रतिज्ञान नहीं किया है, मैं महासचिव महोदया से अनुरोध करूँगा कि जो सदस्य शेष रहे गए हैं, उनके नाम राज्यवार उसी क्रम में यहाँ आमंत्रित करेंगे।

BIHAR – contd.

Shri Santosh Kumar (Purnia) – Not present.

KARNATAKA – contd.

Shri Prajwal Revanna (Hassan) – Not present.

ODISHA – contd.

Shri Anubhav Mohanty (Kendrapara)

OBSERVATION RE: ELECTION OF SPEAKER

माननीय अध्यक्ष : आइटम नम्बर 2. माननीय सदस्यगण, अध्यक्ष के निर्वाचन के संबंध में मुझे प्रस्तावों की 13 सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं। इन 13 सूचनाओं में से 3 सूचनाएँ सभा पटल पर सूचनाएँ रखे जाने के नियत समय के पश्चात् प्राप्त हुई हैं। अतः श्री जैदेव गल्ला, श्री अधीर रंजन चौधरी तथा श्री टी.आर. बालू द्वारा प्रस्ताव संबंधी सूचनाएँ प्रक्रिया नियमों के नियम 7 के अनुसार कालातीत हो गई थीं, लेकिन उनको एज ए स्पेशल केस मानते हुए उन्हें प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाती है और वे कार्य-सूची में उल्लेखित क्रम के बाद एक-एक करके अपना नाम, प्रस्ताव और अनुमोदन दे सकते हैं।

ELECTION OF SPEAKER

1106 बजे

माननीय अध्यक्ष: अब हम लोक सभा अध्यक्ष के निर्वाचन हेतु प्रस्तावों को लेंगे। मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने नाम के आगे उल्लिखित प्रस्ताव पेश करें।

(1105/CS/UB)

प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।”

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूँ।

गृह मंत्री (श्री अमित शाह): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।”

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री (श्री नितिन गडकरी): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

जनजातीय कार्य मंत्री (श्री अर्जुन मुंडा): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।”

मानव संसाधन विकास मंत्री (डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

HON. SPEAKER: Kumari Agatha K. Sangma – Not present.

श्री अरविंद गणपत सावंत जी प्रस्ताव करेंगे।

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री (श्री अरविंद सावंत): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ :

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।”

श्री विनायक भाउराव राउत (रत्नागिरी-सिंधुदूर्ग): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

श्री पिनाकी मिश्रा (पुरी): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ :

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।”

श्री अच्युतानंद सामंत (कंधामल): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

SHRI SUKHBIR SINGH BADAL (FEROZPUR): I beg to move:

“That Shri Om Birla, a member of this House, be chosen as the Speaker of this House.”

श्री चिराग पासवान (जमुई): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ :

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए।”

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्जापुर): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करती हूँ।

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री डी. वी. सदानन्द गौड़ा): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ :

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए”

SHRI MIDHUN REDDY (RAJAMPET): Sir, I second the motion.

संसदीय कार्य मंत्री, कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रह्लाद जोशी): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ :

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए”

SHRI P. RAVEENDRANATH KUMAR (THENI): Sir, I second the motion.

SHRI JAYADEV GALLA (GUNTUR): Sir, I beg to move:

“That Shri Om Birla, a member of this House, be chosen as the Speaker of this House.”

HON. SPEAKER: Shri Srinivas Kesineni – Not present.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ :

“कि श्री ओम बिरला, जो इस सभा के सदस्य हैं, को इस सभा के अध्यक्ष के रूप में चुना जाए”

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Sir, I second the motion.

(11110/KMR/RV)

माननीय अध्यक्ष : श्री टी. आर. बालु जी प्रस्ताव करेंगे। आपके दो नोटिस आए हैं।

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): I beg to move:

“That Shri Om Birla, a member of this House, be chosen as the Speaker of this House.”

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Sir, I second the motion.

माननीय अध्यक्ष : अब मैं श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रस्तुत, श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा समर्थित प्रस्ताव को...

.....(व्यवधान)

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): सर, हमें भी प्रपोज करने का मौका दें।

माननीय अध्यक्ष : आपका नोटिस नहीं आया है।

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): सर, हमें भी सपोर्ट करने का मौका दीजिए।

माननीय अध्यक्ष : आपको मौका दूँगा। अभी आपका नोटिस नहीं आया है।

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): सर, ये हमारी सपोर्टिंग वाला विषय है।

माननीय अध्यक्ष : अब मैं श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रस्तुत, श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा समर्थित प्रस्ताव को सभा के मतदान के लिए रखूँगा।

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): सर, आपकी यह कपैसिटी है कि आप हमें भी प्रपोज करने का मौका दें।

माननीय अध्यक्ष : सुदीप बन्दोपाध्याय जी, आपका नोटिस नहीं आया था, लेकिन एज-ए स्पेशल केस, आपको प्रस्ताव करने का अवसर दिया जा रहा है।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): I beg to move:

“That Shri Om Birla, a member of this House, be chosen as the Speaker of this House.”

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): महोदय, मैं इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : अब मैं श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रस्तुत, श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा समर्थित प्रस्ताव को सभा के मतदान के लिए रखूंगा।

प्रश्न यह है :

“कि श्री ओम बिरला को, जो इस सभा के सदस्य हैं, इस सभा का अध्यक्ष चुना जाए।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

माननीय अध्यक्ष : प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है और श्री ओम बिरला को इस सभा का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया जाता है।

(श्री ओम बिरला को सर्वसम्मति से लोक सभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।)

माननीय अध्यक्ष : चूंकि श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रस्तुत प्रथम प्रस्ताव स्वीकृत कर लिया गया है, अतः इसके बाद प्रस्तुत प्रस्ताव निष्प्रभावी हो गए हैं।

मैं श्री ओम बिरला को अध्यक्ष का आसन ग्रहण करने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

(सभा के नेता श्री नरेन्द्र मोदी; श्री अधीर रंजन चौधरी; श्री अरविंद सावंत; श्री पिनाकी मिश्रा और कुछ अन्य दलों तथा समूहों के नेता श्री ओम बिरला को आसन तक ले गए।)

1114 बजे

(श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष, पीठासीन हुए।)

(1115/SNT/MY)

COMPLIMENTS TO HON. SPEAKER, *PRO TEM*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF COAL AND MINISTER OF MINES (SHRI PRALHAD JOSHI): Sir, before the Business could begin, I would like to thank Shri Virendra Kumar who has discharged his duties as Speaker *Pro tem*. He has completed entire proceedings of oath/affirmation very smoothly within two days. I profusely thank him on behalf of the Government and hon. Prime Minister also.

I also thank the Panel of Chairpersons Shri Kodikunnil Suresh, Shri Bhartruhari Mahtab and Shri Brijbhushan Sharan Singh for their cooperation and sparing their time.

I also thank the Secretary General of Lok Sabha. Under the guidance of the Speaker *Pro tem* and the Panel of Chairpersons, she has completed the work within the time frame. She sat here along with all her staff without going out for a single minute. On behalf of the entire House, I thank all of them. Once again, I thank all the Members for their cooperation.

(ends)

FELICITATIONS TO HON. SPEAKER

1117 बजे

प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, इस सदन के सभी सदस्यों के लिए यह अत्यंत हर्ष और गर्व का समय है, आपको इस पद पर आसीन होते हुए देखने का। इस सदन में पुराने सभी सदस्य आपसे भली भांति परिचित हैं। विधायक के रूप में भी राजस्थान में आपने जो सक्रिय भूमिका अदा की है, उससे भी राजनीतिक जीवन से जुड़े हुए लोग परिचित हैं। हम सब के लिए गर्व का विषय है कि स्पीकर पद पर आज एक ऐसे व्यक्तित्व का हम अनुमोदन कर रहे हैं, सर्वसम्मति से उनको स्वीकृति दे रहे हैं जो सार्वजनिक जीवन में विद्यार्थी काल से, छात्र संगठनों से जुड़ते हुए, यूनिवर्सिटी की छात्र गतिविधि का नेतृत्व करते हुए जीवन का सर्वाधिक उत्तम समय किसी भी प्रकार के ब्रेक के बिना अखंड अविरत समाज जीवन की किसी न किसी गतिविधि से जुड़ा रहा। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में भी, छात्र आंदोलन से निकलकर युवा मोर्चा के संगठन में करीब 15 साल तक आपने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर काम किया। मुझे सालों तक संगठन का कार्य करने का अवसर मिला है, उसके कारण मेरे एक साथी के रूप में भी हम दोनों को साथ में काम करने का अवसर मिला।

कोटा वह धरती है जो एक प्रकार से आजकल शिक्षा का काशी बन गया है। जिनके भी दिल-दिमाग में कैरियर की प्राथमिकता है, वह कोटा को पसंद करता है, कोटा में रहेगा, कोटा में पढ़ेगा और कोटा से अपनी जिंदगी बनाता है। राजस्थान के एक कोने का एक छोटा-सा शहर आज एक प्रकार से लघु भारत बन गया है। कोटा का यह परिवर्तन जिस नेतृत्व के सामने हुआ है, जिसके योगदान से हुआ है, जिसके इनिशिएटिव से हुआ है, वह नाम है श्रीमान ओम बिरला जी। आम तौर पर राजनीतिक जीवन में हम लोगों की एक छवि बनी रहती है कि हम 24 घंटे राजनीति करते हैं, उठा-पटक करते हैं, तू-तू, मैं-मैं करते हैं, कौन हारे, कौन जीते, इसी में लगे रहते हैं, लेकिन उसके अलावा एक सच्चाई होती है जो कभी-कभी उजागर नहीं होती है।

(1120/CP/GM)

वर्तमान में देश ने अनुभव किया है कि राजनीतिक जीवन में जितना अधिक मात्रा में सामाजिक सेवा का प्रपोर्शन रहता है, समाज में स्वीकृति ज्यादा मिलती है। हार्ड कोर पॉलिटिक्स का जमाना करीब-करीब चला जा रहा है। ओम बिरला जी वह शख्सियत हैं, जनप्रतिनिधि के नाते राजनीति से जुड़ना बड़ा स्वाभाविक था, लेकिन उनकी पूरी कार्य शैली समाज सेवा केन्द्रित रही है। समाज जीवन की कहीं पर भी पीड़ा अगर उनको नजर आई, तो वे पहले पहुंचने वाले व्यक्तियों में से रहे।

मुझे बराबर याद है, जब गुजरात में भयंकर भूकम्प आया, बहुत लम्बे अरसे तक वे कच्छ में रहे। अपने इलाके के युवा साथियों को लेकर आए। स्थानीय कोई व्यवस्था का उपयोग न करते हुए, अपनी व्यवस्थाओं को, जो भी उपलब्ध थीं, उसके आधार पर उन्होंने लम्बे अरसे तक सेवा का काम किया। जब केदारनाथ का हादसा हुआ, तो वे फिर उत्तराखण्ड में नजर आए। वहां भी अपनी टोली लेकर समाज सेवा के काम में लग गए। कोटा में भी अगर किसी के पास ठण्ड के सीजन में कम्बल नहीं है, तो रात भर कोटा की गलियों में निकलना, जन-भागीदारी से गर्म कम्बल वगैरह इकट्ठा करना और उनको पहुंचाना। उन्होंने एक व्रत लिया था। सार्वजनिक जीवन में हम सभी सांसदों के लिए कभी-कभी वह प्रेरणा देता है। उनका व्रत था कि कोटा में कोई भूखा नहीं सोएगा। वे एक 'प्रसादम्' नाम की योजना चलाते थे। उस 'प्रसादम्' योजना के तहत जन-भागीदारी से भूखे लोगों को ढूंढ-ढूंढकर उनको खाना खिलाना, यह उनका रेग्युलर काम बन गया। उसी प्रकार से जो गरीब हैं, दुःखी हैं, उनके पास अगर पूरे कपड़े नहीं हैं, तो उनके लिए उन्होंने 'परिधान' योजना बनाई। उस 'परिधान' मूवमेंट के आधार वे जन-भागीदारी से सामाजिक संवेदना से लगातार जुड़े रहकर, अगर किसी के पास जूते नहीं हैं, तो जन-भागीदारी से जूते इकट्ठा करना, गर्मी के सीजन में उसको जूते पहना देना। अगर कोई बीमार है, कहीं रक्तदान का काम जरूरी है, कहीं अस्पताल में और सेवाएं देनी हैं, एक प्रकार से उन्होंने अपनी राजनीति का केन्द्र बिंदु जन-आंदोलन से ज्यादा जनसेवा को बनाया। ऐसे एक संवेदनशील व्यक्तित्व आज जब स्पीकर पद पर हम सबको अनुशासित करेंगे, वहीं हमें अनुप्रेरित भी करेंगे और उसके द्वारा यह सदन देश को उत्तम से उत्तम दे पाए, एक कैटलिटिक एजेंट के रूप में, एक पदासीन की

जिम्मेदारी के रूप में और सालों की सामाजिक संवेदना वाली जिंदगी जीने के कारण, मुझे विश्वास है कि उत्तम तरीके से इन चीजों को कर पाएंगे।

सदन में भी हमने देखा है कि वे मुस्कराते हैं तो भी बड़े हल्के से मुस्कराते हैं, वे बोलते हैं तो भी बड़े हल्के से बोलते हैं। इसलिए सदन में, मुझे कभी-कभी डर लगता है कि उनकी जो नम्रता है, विवेक है, कहीं कोई उसका दुरुपयोग न कर दे। पहले तो ऐसा होता था कि शायद लोक सभा के स्पीकर को कठिनाइयां ज्यादा रहती थीं, राज्य सभा के चेयरमैन को कम रहती थीं, लेकिन अब उल्टा हो गया है। हम जब पिछले सत्र को याद करेंगे, तो हर किसी के मुंह से यह तो निकलेगा कि हमारी जो स्पीकर महोदया थीं, हमेशा हंसते रहना, खुश-खुशहाल रहना।

(1125/SK/RSG)

डांटना भी है तो डांटने के बाद हंस पड़ना, लेकिन उन्होंने उत्तम तरीके से नई परंपरा को विकसित किया। अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन की तरफ से, ट्रेजरी बैंच की तरफ से, शासन में बैठे हुए सब जिम्मेदार मंत्रिपरिषद की तरफ से आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आपके काम को सरल करने में जो भी भूमिका हमारे जिम्मे होगी, उसे शत प्रतिशत पूर्ण करने का प्रयास करेंगे और आपका हक बना रहेगा कि इस बैंच की तरफ भी अगर नियमों का उल्लंघन होता है, व्यवस्थाओं में बाधाएं पैदा की जाती हैं तो आपका पूरा हक बनेगा कि हमें भी और हमारी तरफ के लोगों को भी आप उतनी ही दृढ़ता से, आग्रह से कहें, हम उसका स्वागत करेंगे, क्योंकि सदन की गरिमा बनाने में हम सबका योगदान रहना आवश्यक है।

मुझे विश्वास है, पहले तो तीन-चार साल अच्छे जाते थे, चुनाव के वर्ष में थोड़ी गड़बड़ होती थी, लेकिन अब हर तीन-चार महीने के बाद चुनाव दिखता है तो लगता है कि यहीं से कुछ मैसेज देंगे। ऐसी स्थिति में आपको भी तनाव ज़रा ज्यादा रहने वाला है, लेकिन फिर भी अच्छी चर्चा हो, उत्तम चर्चा हो, सब विषयों पर चर्चा हो, मिलजुल कर निर्णय हो, उसमें आपको पूरी तरह यह सदन भी योगदान करेगा, ऐसी एक आशा के साथ मेरी तरफ से, सदन की तरफ से, ट्रेजरी बैंच की तरफ से आपको बहुत शुभकामनाएं हैं। धन्यवाद।

(इति)

1127 बजे

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी ने सदन के सामने आपका बायोडाटा पेश कर दिया है, इसमें कुछ नया जोड़ने की जरूरत नहीं है। फिर भी, कोटा एक कोचिंग इंस्टीट्यूट जैसा है, कोटा की कचौड़ी भी बहुत मशहूर है। इस हाउस में खिचड़ी जैसी न बने, इसलिए कचौड़ी की तरह हर वक्त कुछ स्वादिष्ट उपहार देंगे, आपसे हमें यह बहुत बड़ी उम्मीद है।

आप एक सोशल वर्कर तो हैं ही, माननीय प्रधानमंत्री जी कह चुके हैं, इसके अलावा आप एक एग्रीक्लचरिस्ट भी हैं। आप जानते हैं कि हिंदुस्तान में किसानों की हालत बहुत बुरी होती जा रही है। हर रोज 36 किसानों की खुदकुशी हो रही है, आप जरूर इससे बचाने के लिए पहल करेंगे.... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जब आपके दल के नेता बोल रहे हैं तो आप शांत रहे।

.... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): मैं कांग्रेस पार्टी की तरफ से, हिंदुस्तान के आम नागरिक की तरफ से और हम सबकी तरफ से इस पद पर आसीन होने के लिए आपका अभिनंदन करता हूं। साथ ही साथ हिंदुस्तान की जनता, 90 करोड़ वोटर थे, आपको अचरज होगा कि यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप मिलाकर जितनी आबादी है, उससे ज्यादा वोटर हिंदुस्तान में रहते हैं। इसमें 67 परसेंट ने चुनाव में भाग लिया जो लगभग 60 करोड़ है। इससे ज्यादा अचरज की बात है कि मालेगांव जैसे अरुणाचल प्रदेश के अन्जॉ डिस्ट्रिक्ट में एक गांव है, जहां एक ही वोटर है, वोटर के वोट की कलैक्शन के लिए छः ऑफिशिल्स ने दो दिन हिल में ट्रैकिंग करके, छः किलोमीटर का रास्ता पार करके उनको वोट दिलवाया। हमें इस तरह के लोकतंत्र की गरिमा को बचाकर रखनी चाहिए।

मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी को अहसास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी की नीयत बहुत साफ है। हम डिबेट, डिसेंट और डिसीजन में यकीन रखते हैं, भरोसा रखते हैं, लेकिन

हमें मौका मिलना चाहिए। आपकी जिम्मेदारी पार्लियामेंट में सही तरीके से इसकी रक्षा करना है, क्योंकि you are the Presiding Officer, the custodian of this House.

(1130/RK/YSH)

Not only that, according to Nehru, through the hon. Speaker, the House represents the freedom of the nation. So, the dignity of the Chair is to be well maintained by you also.

सर, एक चीज मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ कि पिछले दिनों जो विधेयक यहां पारित होते थे, उन विधेयकों को स्कूटिनाइज करने के लिए स्टैंडिंग कमेटी में ज्यादा विधायकों को नहीं भेजा जाता था। यह आपको थोड़ा देखना पड़ेगा कि यह भी हाउस की एक गरिमा होती है। दूसरी तरफ ज्यादा से ज्यादा ऑर्डिनेंस का रास्ता अपनाना भी ठीक नहीं है, क्योंकि पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी में एक स्कूटिनी होनी चाहिए, एक थ्रेडबेयर डिस्कशन होना चाहिए, सारे स्टेक होल्डर्स को बुलाना चाहिए।

सर, मैं कांग्रेस पार्टी की जब एक प्राइमरी मैम्बरशिप लेने गया, तो हमारे प्राइमरी मैम्बरशिप का जो शपथ पत्र था, उसमें लिखा गया था कि अगर कोई कांग्रेस मैम्बर होना चाहता है तो उनको पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को और मजबूत करने के लिए शपथ लेनी पड़ेगी। प्राइमरी मैम्बरशिप के जरिये जिस दिन से हम लोगों ने कांग्रेस पार्टी की शुरुआत की है, उसी दिन से हम पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए शपथ ले चुके हैं और इसी शपथ के साथ ही अगले दिन हम पार्लियामेंट को चुस्त और दुरुस्त रखने के लिए हमारी तरफ से जिस हद तक जाना चाहिए, हम जाने के लिए कभी नकारेंगे नहीं, हिचकिचाहट नहीं करेंगे।

सर, मैं प्रधान मंत्री जी का और आप सभी का एक छोटे से विषय पर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। प्रधान मंत्री बाहर कहते हैं कि अभी पक्ष और विपक्ष नहीं होगा सिर्फ निष्पक्ष होगा। बड़ा अच्छा कान्सेप्ट है, लेकिन ये जो हिन्दुस्तान का पार्लियामेंट्री सिस्टम है, यह मल्टीपार्टी डेमोक्रेसी है, तो पक्ष-विपक्ष के साथ बहुपक्ष भी रहेंगे, सिर्फ आपको निष्पक्ष रहना होगा। आप इसे

निष्पक्ष बना सकते हैं, क्योंकि चेयर इम्पार्शियल चेयर होती हैं। यहाँ जब शपथ लेना शुरू हुआ, तो कहीं जय श्री राम, कहीं अल्लाह हू अकबर, कहीं जय काली इस तरीके से जो नजारा पेश हुआ, वह सही नहीं था। यह मैं व्यक्तिगत रूप से कह रहा हूँ, लेकिन यह हाउस की मर्यादा का सवाल है।

“वो ही राम जो दशरथ का बेटा, वो ही राम जो घर-घर में लेटा,
वो ही राम जगत पसेरा वो ही राम सबसे न्यारा।”

दूसरी तरफ यह भी कहते हैं:

“ला इलाहा इल्लल्लाह मोहम्मदुर्रसूलुल्लाहा।”

सर, हमें इस तरह का समाज बनाना चाहिए। मैं एक छोटी सी बात कहता हूँ:

“जब मुल्ला को मस्जिद में राम नजर आए, जब पुजारी को मन्दिर में रहमन नजर आए, दुनिया की सूरत बदल जाएगी जब इंसान को इंसान में इंसान नजर आए।”

सर, अंत में आपके लिए कुछ मांगता हूँ। प्राइम मिनिस्टर ने भी मांगा था, मैं भी मांगता हूँ:

“खुदा से क्या मांगूं तेरे वास्ते, सदा खुशियों से भरे हो तेरे रास्ते,
हंसी तेरे चेहरे पर रहे इस तरह,
खुशबू फूलों के साथ रहती है जिस तरह।”

(इति)

1132 hours

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Hon. Speaker, Sir, on behalf of my esteemed leader Dr. Thalapathi M.K. Stalin, a secular Indian, a forerunner of social justice, a great son of a great Leader, Dr. Kalaingar Karunanidhi and on behalf of the Members of DMK Party in Lok Sabha and on my own behalf, I profoundly welcome and wish you a great success in the days to come as the custodian of this temple of democracy.

Hon. Speaker, Sir, considering your exemplary experience in Rajasthan Assembly as well as in Lok Sabha and also your friendliness with fellow Members, I hope that your leadership will definitely add to the values of the exalted Chair in which you are sitting now.

(1135/PS/RPS)

Sir, you have been selected and elected by the BJP on Lotus symbol. Lotus grows in water; lives in water, but water would not stick to lotus. Keeping this in mind, I could only say that maybe the BJP has selected you, but you should be impartial and you should see that everyone is taken along, and proper justice and democracy should be rendered by you.

Sir, before I conclude, I want to recite one couplet of Tirukkural and I quote:

“Samanseidhu Seerthookkum Kolpol Amainthorupal
Kodamai Sandror Kani”

To hold the scales even and fair is an ornament of those who seek perfection in their rectitude. I hope that you will be guided by the spirit of this Tirukkural and see that the House is run properly and smoothly. (ends)

1137 hours

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Hon. Speaker, Sir, I welcome you as the hon. Speaker of the House. 'The sanctum sanctorum of this great House and the Chair of the hon. Speaker' is somehow a different position in the whole nation. But according to my conception and according to my own faith, after being elected as MLA and MP and in the parliamentary proceeding system of this country for more than nine times, I still believe that the Parliament should mainly belong to the Opposition so that the parliamentary democratic functioning can be more strengthened. What we feel is that the brute majoritarianism sometimes affect the normal functioning of the House. Whether the House will run or function properly or not, it depends mainly on the Treasury Benches. The intention and desire of the hon. Prime Minister as he has expressed today, is that all the discussions should be held very peacefully. We want to assure this. We are very much in favour of discussions taking place on the floor of the House peacefully. When the people have given their dictum, the Central Government will be run by these parties. Similarly, the State Governments are also governed by the dictum of the people of that particular State. But many a time, we have found that the Central Government acts like a Government who can govern the whole country. They are in the habit of sending many directions and advisories, even two advisories in a week.

माननीय अध्यक्ष: यह विषय आप बाद में रख देना।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): When these issues are raised on the floor of the House, then naturally the ruling party do not allow the smaller parties to convey their views on the floor of the House.

So, I would request you to look at both the sides, that is, left and the right sides. The very name 'Om Birla' has a speciality also. Many people ask me whether he belongs to the category of the industrialist family of the Birla Group. जिसके नाम के पहले 'ओम' होता है, वह बहुत बड़ा विषय होता है। दोनों मिलाकर 'ओम बिरला' नाम को एक तथ्यक प्रतिफलन आप हाउस में कराइए और दोनों तरफ को कांफिडेंस दीजिए कि आप दोनों तरफ के साथ हैं। मैं आपका स्वागत करता हूँ।

(इति)

(1140/RAJ/RC)

1140 hours

SHRI MIDHUN REDDY (RAJAMPET): Sir, at the outset, I, on behalf of my leader and young Chief Minister, Shri Y.S. Jagan Mohan Reddy, and also 22 Members present in this House heartfully congratulate you for assuming the post of the Speaker in this august House.

Sir, it is worth mentioning that you had started your career as a politician from your college days. You had been elected to the Assembly thrice. You have won the parliamentary elections twice. It is a long and a commendable career. Your rich political experience will definitely help in running this House efficiently.

It is also worth mentioning that you have been into a lot of social service activities, especially, Paridhan where we could see you are compassionate and considerate. You have distributed a lot of free clothes, books and even food to poor people. We hope all this rich experience and your good character will help you run this House efficiently. Like every Member in this House, I once again congratulate you for assuming this post.

(ends)

1142 बजे

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण): आदरणीय लोक सभा के अध्यक्ष जी, मैं सर्वप्रथम अपनी पार्टी की तरफ से एवं सभी की तरफ से आपका तहेदिल से अभिनंदन करता हूं। खास कर आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आपने ऐसा नाम चुना, मैं उसके लिए आपका भी बड़ा अभिनंदन करता हूं। मैं भाग्यशाली रहा कि जब मैं सांसद बना तो सर्वप्रथम ओम बिरला जी से परिचय हुआ। हम दोनों एक गाड़ी में एयरपोर्ट से इकट्ठे यहां आए हैं। हमें एक ही बिल्डिंग में निवास स्थान मिला। अब परिचय दृढ़ हो गया। आज मुझे बहुत हर्ष हो रहा है कि मेरा एक मित्र बहुत बड़े उच्च पद पर बैठ रहे हैं और आपने उनका नाम प्रस्तावित किया, हम ने भी उनका नाम प्रस्तावित किया, हमें उसका हर्ष है। मैं इतना ही कहूंगा कि आज राजनैतिक भाषण नहीं करना है। आज मैं सरकार में हूं। मैं चाहता हूं कि इस सदन की गरिमा जो हमारी आदरणीय पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने बनाए रखी, उससे भी ऊंचा उठ कर, आप काम करेंगे और मुझे विश्वास है, आप में वह ताकत है, क्योंकि आप राजस्थान के कोटा से चुन कर आए हैं। आप बाकी बातों को छोड़ें, आप के नाम में 'ओम' है, वह सबसे महत्वपूर्ण है और वह 'ओम' ही हमें न्याय दिलाएगा। वही दुनिया चाहती है, सभी अमन चाहते हैं, सभी विकास चाहते हैं। सभी विश्वास भी चाहते हैं, जो आदरणीय प्रधानमंत्री जी कहते हैं। यह सदन इस तरह से चले, पिछली बार जो कुछ हुआ, उसे छोड़ दें, छोड़ो कल की बातें, अब आज जो करना है, वह हिन्दुस्तानी बन कर करना है और हिन्दुस्तान का नाम आगे बढ़ाना है। हिन्दुस्तान की इस सदन की गरिमा पूरी दुनिया को भी समझने में आप अच्छा रोल अदा करेंगे, यह मुझे विश्वास है। मैं फिर दिल से आपको शुभकामनाएं देता हूं, अभिनन्दन करता हूं। जय हिन्द।

(इति)

1144 बजे

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर): महोदय, मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड की ओर से इस पद पर आसीन होने के लिए आपका हृदय से अभिनंदन करता हूँ।

महोदय, आपका एक लंबा राजनीतिक जीवन रहा है। छात्र आंदोलन से लेकर सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में आपका जो सांगठनिक अनुभव है और विधान सभा में जो अनुभव रहा है, इस सदन में जो अनुभव रहा है, उस अनुभव के आधार पर हम सभी को पूर्ण आशा और विश्वास है कि आप के नेतृत्व में, दिशा-निर्देश में और संरक्षण में, यह सदन एक सकारात्मक भूमिका भविष्य में निभाएगा। हम सभी को यह आशा और विश्वास है।

पुनः हम आपका अभिनन्दन करते हैं और आपको आश्चस्त करते हैं कि हमारी ओर से और हमारी पार्टी की ओर से आपको पूर्ण सहयोग इस सकारात्मक भूमिका निभाने में प्राप्त होगा। इसी आशा और विश्वास के साथ मैं पुनः आपका अभिनन्दन करता हूँ।

(इति)

(1145/IND/SNB)

1145 बजे

श्री पिनाकी मिश्रा (पुरी): आदरणीय स्पीकर महोदय, बीजू जनता दल की तरफ से आज हम आपका स्वागत करते हैं। केवल बीजू जनता दल ने ही नहीं, बल्कि हाउस के सभी सेक्शंस ने आपके नाम का अनुमोदन किया, सेकेंड किया, आपकी ऐक्सेप्टिबिलिटी का यह बहुत बड़ा कारण है। सिर्फ प्रथम लोक सभा को छोड़कर 16 बार 'अध्यक्ष पद' के लिए संसद में कभी निर्वाचन नहीं हुआ है। इसका कारण यह है कि यह पद निष्पक्ष पद है। पहली बार भी जब इस पद के लिए इलेक्शन हुआ था, तो लेफ्ट फ्रंट ने टोकन रेसिस्टेंस किया था और लेफ्ट फ्रंट के कैंडिडेट ने भी मावलंकर जी के लिए वोट डाला। कांग्रेस पार्टी की क्रशिंग मैजोरिटी थी, लेकिन लेफ्ट फ्रंट के कैंडिडेट ने कांग्रेस पार्टी के लिए वोट डाला और बाहर आकर कहा कि मैंने इसलिए वोट डाला क्योंकि this is a bipartisan House and Speaker is bipartisan. Therefore there should be no question of any election in this.

महोदय, हम बहुत प्रसन्न हैं कि आपने इतना बड़ा पद संभाला है। प्रधान मंत्री जी ने आज तीन बजे सभी नेताओं को बुलाया है। श्री नवीन पटनायक जी भी दिल्ली आ रहे हैं। Ways to improve the productivity of Parliament, प्रधान मंत्री जी का पहला एजेंडा है। बीजू जनता दल की तरफ से मैं आपको आश्वासन देता हूँ और वर्ष 2014-19 के बीच आप सदन के सदस्य रहे हैं, आपने देखा होगा कि हम सबसे कम आपको तकलीफ देंगे। हाउस चलते हुए हमने कभी वेल का चेहरा नहीं देखा है, वेल को फील नहीं किया है। हम कभी वेल में नहीं आते हैं, हम कभी हाउस डिसरप्ट नहीं करते हैं। नवीन पटनायक जी ने हमें सीख दी है कि आप हाउस में डिस्कशन और डिबेट कीजिए, डिसरप्शन नहीं। यह हमारा थ्रू-आउट मोटो है। हमारी तरफ से आपको कभी हाउस में तकलीफ नहीं होने वाली है।

मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूँ कि स्टैंडिंग कमेटी का महत्व केवल आप जानते हैं। आप वर्ष 2008 से 2013 के समय में राजस्थान में विपक्ष में रहे। आप बहुत ही मेधावी विपक्ष के लेजिस्लेटर

थे। आपने क्वैश्चन ऑवर में वहां की सरकार को बिलकुल तहस-नहस कर दिया था। आप जानते हैं कि स्टैंडिंग कमेटी में जो लेजिस्लेशन स्क्रूटनी के लिए जाना चाहिए, वह बहुत कम हो गया है। विशेषकर वर्ष 2014 से 2019 के बीच में यह सबसे कम हो गया है। यह सही बात नहीं है। स्टैंडिंग कमेटी की स्क्रूटनी इस हाउस के लिए बहुत आवश्यक है। मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि पंडित जवाहर लाल नेहरू जी के आज के संदर्भ में जो वाक्य हैं, वह बहुत महत्वपूर्ण हैं। नेहरू जी ने मावलंकर जी के समय में कहा था, उसे मैं कोट करता हूं - We would like the distinguished occupant of this Chair now to always guard the freedom and liberty of those from every possible danger even from the danger of an Executive incursion. There is always that danger from a national Government that it may choose to ride roughshod over the opinions of a minority and it is here that the hon. Speaker comes to protect each single Member or each single group from any such unjust activity by a dominant group or a dominant Government. आज बहुत डोमिनेंट सरकार है, आज बहुत डोमिनेंट गवर्नमेंट है। हम आशा करते हैं कि आप हमें प्रोटेक्शन देंगे। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : मैं माननीय वक्ताओं से आग्रह करता हूं कि वे संक्षिप्त में अपनी बात कहें।

(इति)

1148 बजे

श्री श्याम सिंह यादव (जौनपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, आप भारत जैसे महान देश के बहुत गरिमामय पद पर अध्यक्ष चुने गए हैं। मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ से और सारे साथियों की तरफ से आपको बहुत-बहुत मुबारकबाद देना चाहता हूँ। जैसा कि प्रधान मंत्री जी ने बताया कि आप गरीबों की सेवा में लगे रहते हैं। जो भूखे हैं, उन्हें खाना खिलाना और जिनके पास ओढ़ने के लिए कपड़े नहीं हैं, उनमें कम्बल बंटवाने का काम करते हैं। राजस्थान में कोटा के अंदर शिक्षा के स्तर को सुधारने के क्षेत्र में लगे हुए हैं। यह बहुत अच्छी बात है। हम आपके इस सेवा भाव से बहुत प्रभावित हैं और इसका अनुकरण हम भी करना चाहेंगे।

महोदय, हम पहली बार संसद में आए हैं, लेकिन प्रायः देखा जाता है कि जो सत्ताधारी पार्टी होती है, वह अपना हर काम, हर बिल, हर अमेंडमेंट आदि पास करवा लेना चाहती है। जब कभी विपक्ष के लोग उसको अपोज़ करते हैं तो सत्ताधारी पार्टी सत्ता के बल पर उसे पारित करवाना चाहती है, एक तरह से उस बिल को ठेल देना चाहती है। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि विपक्ष को कभी ऐसा मौका न मिले, जिससे लगे कि हमारे माननीय अध्यक्ष द्वारा हम लोगों के साथ कोई अन्याय किया जा रहा है।

महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि जो प्रथम बार के सांसद चुनकर आए हैं, उन्हें अपनी बात कहने का ज्यादा मौका दीजिएगा। आप हमारे संरक्षक हैं, गार्जियन हैं। आप हमें सिखाएंगे, पढ़ाएंगे। हमसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं। आपको डांटने का अधिकार है और हर तरह की कार्रवाई करने का अधिकार है, अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का भी अधिकार है, लेकिन आप यदि थोड़ा-सा मुस्कुरा कर करेंगे, तो हमें बहुत खुशी होगी। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको फिर बहुत-बहुत मुबारक देना चाहता हूँ।

(इति)

(1150/VB/RU)

1150 बजे

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम): ऑनरेबल स्पीकर सर, टीआरएस पार्टी के अध्यक्ष की तरफ से, हमारी पार्टी के मेम्बर्स की तरफ से आपका अभिनन्दन है।

आपके बारे में, ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर साहब ने जिस तरह से पूरी हिस्ट्री बताई है, हम लोगों को इतना मालूम नहीं था। लेकिन, आज आपके बारे में बोलना बहुत खुशी की बात है। आप एक आम आदमी के नेता हैं। आप एक सोशल वर्कर हैं। आप एक किसान के बेटे हैं। इतनी क्वालिटी के साथ इस पद पर बैठने के बाद इस हाउस के सभी लोगों को आशा है कि उनको न्याय मिलेगा।

रिसेन्टली, प्राइम मिनिस्टर साहब ने हाउस के बाहर बताया था कि इस हाउस में चुनकर आने के बाद नम्बर से कोई मतलब नहीं है, सबको न्याय मिलेगा। प्राइम मिनिस्टर साहब ने जो बाहर कहा, आप अन्दर बैठे हैं, हम लोग चाहते हैं, जिस तरह से सभी सदस्यों ने आपके नाम को सपोर्ट किया है, उसी तरीके से सभी पार्टियों के सदस्यों को, चाहे छोटी पार्टी के हों या बड़ी पार्टी के, सबको न्याय मिलना चाहिए। हमें न्याय मिलेगा, ऐसा हम सभी को उम्मीद है। इस उम्मीद के साथ हम लोग आपका धन्यवाद करना चाहते हैं। इस हाउस में जितने लोग बैठे हैं, सब आपके बच्चे हैं। इस चेयर पर बैठते हुए, आपको हाउस के सदस्यों को पालने का मौका मिला है। सबको न्याय मिलेगा, ऐसा कहते हुए आपको धन्यवाद।

(इति)

1152 बजे

श्री चिराग पासवान (जमुई): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जानता हूँ कि आप निरंतर इस बात का आग्रह कर रहे हैं कि हम लोग संक्षेप में आपके बारे में बोलें पर आपका व्यक्तित्व इतना विशाल है कि उसको संक्षेप में समेटना, मुझे लगता है कि हम सबके लिए मुश्किल होगा। मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे यह अवसर दिया।

सर, आपके बारे में कुछ भी कहना सूरज को रोशनी दिखाने के बराबर है। मैं सबसे पहले हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय रामविलास पासवान जी की तरफ से, लोक जनशक्ति पार्टी की तरफ से आपको बधाई देता हूँ और ढेर सारी शुभकामनाएँ देता हूँ। इसके साथ ही, मैं प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी का भी धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने इस पद के लिए सर्वश्रेष्ठ नाम का प्रस्ताव हम लोगों के समक्ष रखा। पूरे सदन ने इस नाम का समर्थन किया। इसके लिए मैं पूरे सदन का भी धन्यवाद करता हूँ। मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके इस अनुभव का लाभ हम सबको तो मिलेगा ही, पर खास तौर से मेरे जैसे जो जुवा सांसद यहाँ पर मौजूद हैं, आपके लम्बे राजनीतिक कैरियर का हम लोग भी अध्ययन करते हैं। छात्र राजनीति से लेकर युवा राजनीति तक जिस तरह से आपने निरंतर समाज-सेवा की है, हम जैसे युवा सांसदों के लिए भी आप प्रेरणा के स्रोत हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमें निरंतर आपके इस अनुभव का लाभ मिलेगा। इस उम्मीद के साथ, यहाँ पर जितनी छोटी पार्टियाँ मौजूद हैं, उनको आपका संरक्षण भी मिले, हमें भी अपनी बातों को रखने का ज्यादा-से-ज्यादा मौका दिया जाए, इस बात का मुझे विश्वास है।

मैं इस मौके की अपॉर्चुनिटी लेना चाहूँगा, हमारी पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा महाजन जी का योगदान जिस तरह का रहा, मैं अपनी पार्टी की ओर से उनके योगदान के लिए उनका भी धन्यवाद करता हूँ, उनको भी ढेर सारी शुभकामनाएँ देता हूँ।

अंत में, मैं आपको इस बात का विश्वास दिलाता हूँ कि सुचारू रूप से सदन चले, इसके लिए हमारी लोक जनशक्ति पार्टी की तरफ से सम्पूर्ण योगदान मिलेगा।

सर, आपका स्वागत है, आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ

(इति)

(1155/NKL/PC)

1155 hours

SHRIMATI SUPRIYA SADANAND SULE (BARAMATI): Sir, I take this opportunity to congratulate you. आज दुनिया की सब से बड़ी डेमोक्रेसी के एक बड़े पद पर आप बैठे हैं। आप के साथ काम करने का मुझे कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में भी चान्स मिला, मुझे याद है दूसरी बार आप अनअपोज़्ड आ रहे हैं। पहली बार जब आप चुनकर आये लोक सभा में और कॉन्स्टिट्यूशन क्लब का इलैक्शन था, तो शायद आप पहले ट्रेज़रर हैं, जो अनअपोज़्ड चुनकर आये। उसके बाद यह दूसरी बार हो रहा है। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आपका कॉन्ट्रिब्यूशन बहुत अच्छा रहा है। एक सांसद की तरह भी आपके साथ काम करने का मौका मिला। एन.सी.पी. की तरफ से आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

मावलंकर जी, सोमनाथ चटर्जी जी, संगमा जी, इतने बड़े लैजेंड्स इस कुर्सी पर प्रधान हुए और देश को दिशा दिखाई है। बहुत बार ऐसा होता है कि जब स्टेट्स में कुछ अड़चनें आती हैं, तो आपकी तरफ, पार्लियामेंट की तरफ वे देखते हैं। आप पांच सालों में स्टेट्स के साथ एक आदर्श पार्लियामेंटेरियन और स्पीकर की तरह काम करेंगे। नेश्रलिस्ट कांग्रेस पार्टी की तरफ से आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

(इति)

1156 बजे

डॉ. फारूख अब्दुल्ला (श्रीनगर) : मैं आपको अपनी पार्टी की तरफ से मुबारक करता हूँ। मैं जब पहली बार पार्लियामेंट में आया था, तो जाखड़ साहब हमारे स्पीकर बने थे। उन्होंने बाप की तरह इस पार्लियामेंट को चलाया और हम सब को सुना और सब को मौका दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र की और वतन की तरफ से कह सकें।

पिछली स्पीकर सुमित्रा महाजन जी ने भी मां की तरह इस हाउस को चलाया और कोशिश की कि सब को सुनें। आज मैं उम्मीद यही करता हूँ कि आप राजस्थान से हैं, जहां मैंने पढ़ा है और सीखा है। मैं उम्मीद यही करता हूँ कि आप हम सब को मौका देंगे कि हम अपनी बात रख सकें और एक मजबूत वतन बना सकें। मैं फिर से अपनी जमात की तरफ से आपको बहुत-बहुत मुबारक करता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि आप इस हाउस को अच्छी तरह से चलाएंगे और हम आपको पूरी तरह से हिमायत देंगे। शुक्रिया।

(इति)

1157 hours

SHRI P. K. KUNHALIKUTTY (MALAPPURAM): Sir, my Party, IUML, has a very strong secular record of working in this Parliament and also outside this Parliament. Maybe, many new Members are not aware of the fact that IUML is a secular Party which is a part of the secular alliance in Kerala, Tamil Nadu and also elsewhere.

So, I assure all cooperation from our Party to you. You, as we heard here, have a very strong record of public work and working for the poor. I hope, while working in this House, you will also try to give time to the Opposition. Disruption in the House happens when we feel that the feelings of the people are not taken into consideration. Sometimes some legislations and other business come from that side which we feel is casually being done without considering the feelings of the people seriously. There are people who do not have much voice in this House like the backward classes, the minorities etc. When any legislation is being passed here, the Government should also take these points into consideration. Otherwise, disruption and shouting will occur and that is what happens many a time. So, I hope, in future, with this big majority of the present ruling Government, they may take into consideration the Prime Minister's recent statement that numbers do not matter but what matters is the feelings of everybody, and everybody means every section of the people of the country.

(1200/KSP/SPS)

So, I hope that legislations will not be brought to this House in a casual manner because such initiatives always create a problem. The Government should take us seriously and it is the duty of the hon. Speaker to protect our rights. I would like to take this opportunity to congratulate you on your unanimous election as the Speaker of this House. From my Party, I assure you full cooperation.

(ends)

1201 बजे

श्री राम मोहन नायडु किंजरापु (श्रीकाकुलम): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तेलगू देशम पार्टी की तरफ से, अपने अध्यक्ष और अपने सारे सांसदों की तरफ से आपका हृदयपूर्वक अभिनन्दन करता हूँ। आपका जो अनुभव रहा है, वह पहले ही सारी पार्टियों की तरफ से सब लोगों ने बोला है और अपना विश्वास आपके ऊपर फिर से इस सदन ने रखा है। आज बहुत ही अच्छा माहौल बना है। हर बार अध्यक्ष जी को निवारित करने की जो प्रक्रिया है, उससे सदन को भी एक अच्छा मौका मिलता है कि किस दिशा में आगे बढ़े। क्योंकि अभी-अभी हमने देखा है कि निष्पक्षता से सब लोगों ने एक साथ मिलकर इस सदन की गरिमा को आगे बढ़ाने के लिए, उस पद पर जिस पर आप बैठे हैं, उसका गौरव, सम्मान करने के लिए एकजुट होकर सब ने सपोर्ट किया और उसी के साथ हम भी यही कोशिश करेंगे कि इन पांच सालों में देश को आगे बढ़ाने का कोई भी काम आदरणीय प्रधान मंत्री जी या सरकार करे तो हम जरूर उनका साथ निभाएंगे। हमारी आपसे यही विनती रहेगी। आपने पहले सत्र में भी हमें देखा है। हमारी संख्या जरूर कम हुई है पर आप समय कम मत कर देना। इस बार जो समस्याएं हैं, उसमें काफी सारी समस्याएं हमारे राज्य की भी हैं, हमारे देश की भी हैं। हम अपनी बात आगे रखना चाहते हैं तो जरूर एक उम्मीद आपके ऊपर है। पिछले सत्र की अध्यक्ष सुमित्रा जी को भी हम धन्यवाद देते हैं कि प्रत्येक बार उनका ध्यान हमारे युवा सांसदों के ऊपर था। हर बार जब भी हम बोलना चाहते थे तो उन्होंने हमें बहुत एन्करेज किया, हमें बहुत मोटिवेट किया। बाकी जो चिराग पासवान जी ने आग्रह किया है, उसे मैं फिर से दोहराता हूँ कि जो युवा सांसद हैं उनको जरूर बोलने का अच्छा मौका मिले। हमारी जो छोटी पार्टियां हैं उनको भी अच्छा मौका देकर आपके ऊपर जो संविधान को कायम रखने और संविधान की जो अहम शक्ति सौंपी गई है, हमें पूरा विश्वास है, आशा है कि आप इसको आगे बढ़ायेंगे। जिस तरह से कोटा ने बहुत सारे विद्यार्थियों का नाम रोशन करने का एक मौका दिया है उसी तरह से आप वहां से आकर इस सदन का भी नाम रोशन करने का एक अच्छा माहौल आप रखेंगे। इसी के साथ हम फिर से आपको अभिनन्दन करते हुए तेलगू देशम पार्टी की तरफ से आपको धन्यवाद देते हैं।

(इति)

1203 बजे

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्जापुर): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले अपनी पार्टी अपना दल की ओर से आपका हृदयपूर्वक अभिनन्दन करती हूँ। यह गौरव का विषय है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस सदन के अध्यक्ष पद पर विराजमान होकर आप आज से पांच वर्षों के लिए इस सदन का संचालन करेंगे और हम सभी को आपका मूल्यवान मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आज से आपको एक बहुत महत्वपूर्ण दायित्व मिल रहा है, संसदीय परम्पराओं के संरक्षण का। हम सब तो अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों का, अपने निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन आप इस सदन के पूर्ण प्राधिकार का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। आपका आसन भी ऐसे स्थान पर बनाया गया है कि आपकी दृष्टि हम सब पर है और हम सब आपके लिए बराबर हैं, कोई छोटा या बड़ा नहीं है। मैं यह बात इसलिए कह रही हूँ, क्योंकि इस सदन में बहुत सारे ऐसे दल हैं जो एक सदस्य, दो सदस्य या तीन सदस्यों के साथ आए हैं। मेरी पार्टी भी दो सदस्यों के साथ यहां पर उपस्थित है और हमारे जैसे दलों को सबसे ज्यादा आपके संरक्षण की आवश्यकता है, ताकि आपके माध्यम से हमें अपने विचारों को व्यक्त करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त हो सके।

मैं उत्तर प्रदेश जैसे राज्य से आती हूँ, जहां बहुत बड़ी आबादी है, बहुत सारी विविधताएं हैं, बहुत सारी चुनौतियां हैं और मेरी पार्टी समाज के दबे-कुचले पिछड़े दलित समाज की आवाज है। आपके माध्यम से मेरा यही आग्रह है कि मेरी पार्टी को पर्याप्त अवसर मिले। माननीय प्रधान मंत्री जी ने आपके संसदीय अनुभव के बारे में बहुत कुछ विस्तार से बताया है। मैं उन बातों को दोहराना नहीं चाहती। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे इस सदन के सर्वप्रथम अध्यक्ष श्री मावलंकर जी और उनके बाद के रहे सभी अध्यक्षों ने जिस महान विरासत को यहां पर बनाया है, आपके कार्यकाल में वह विरासत आगे बढ़ेगी। हम सभी सदस्यों को आपके माध्यम से इस संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त होगा। मेरी पार्टी की ओर से मैं आपको आश्चस्त करती हूँ कि सदन के सुचारु संचालन में हमारा पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

(1205/KDS/SRG)

हम सभी सदस्यों को आपके माध्यम से इस संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त होगा। मेरी पार्टी की ओर से मैं आपको आश्चर्य करती हूँ कि सदन के सुचारू संचालन में हमारा पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा और आपके कार्यकाल में, आपके यशस्वी कार्यकाल में इस सदन की गरिमा और आगे बढ़े, ऐसी मेरी शुभकामना है। बहुत-बहुत अभिनन्दन, बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

माननीय अध्यक्ष: मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि वक्ताओं की लिस्ट बहुत है। एक-एक मिनट में अपनी बात को कहने का सबको मौका मिल जाए। श्री असादुद्दीन ओवैसी जी।

1206 बजे

श्री असादुद्दीन ओवैसी (हैदराबाद): सर, मैं आपको मुबारकबाद देता हूँ कि आप एक अज़ीम ओहदे पर आज फायज़ हुए हैं। वज़ीर-ए-आज़म ने अपने तारूफी कलमात में आपके बारे में बताया है और मैं अपनी जानिब से आपको और अपनी पार्टी की जानिब से अपना पूरा तावुन पेश करता हूँ।

सर, मैं आपको एक बड़ी बात याद दिलाना चाहता हूँ, बड़ी हम्बलनेस के साथ कि जिस अज़ीम ओहदे पर आप आज फायज़ हैं, मेरी आपसे उम्मीद है और गुज़ारिश है कि हमारे मुल्क की जो थ्योरी ऑफ सेपेरेशन ऑफ पावर्स है, आप उसकी हिफाज़त करेंगे।

सर, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ, आप यकीनन काबिल हैं कि बर्तानिया की जम्हूरियत में उनके शुरुआत के दिनों में जम्हूरियत की और पार्लियमानी निज़ाम की आज़ादगी की हिफाज़त के लिए कई स्पीकरों ने बादशाह-ए-वक्त के आगे अपनी जानों को कुर्बान कर दिया। इसीलिए उस हाउस ऑफ कॉमन्स में जब स्पीकर का इन्तिखाब होता है, तब स्पीकर को घसीटकर लाया जाता है। हम आपसे उम्मीद करते हैं कि आप यकीनन एक इलेक्टेड गवर्नमेंट हैं, मगर हम आपसे उम्मीद करते हैं कि इलेक्टेड गवर्नमेंट एक मोनार्क न बन जाए, इसलिए आपको एक बहुत बड़ा रोल निभाना पड़ेगा।

सर, मैं आपसे यह गुज़ारिश कर रहा हूँ, आपको याद भी दिला रहा हूँ कि आप इस हाउस के रेफरी हैं, आप रेफरी बने रहेंगे, आप गेम का हिस्सा नहीं बन सकते।

सर, आखिरी बात यह है कि आप राइट साइड से आए हैं, आइडियोलॉजी भी राइट हो सकती है, मगर आपसे मैं गुज़ारिश कर रहा हूँ कि लेफ्ट साइड भी नज़र-ए-करम करते रहिए। मेरी आपसे गुज़ारिश है कि अब आपकी आइडियोलॉजी यकीनन कॉलोनिशगदर होनी चाहिए और इस पार्लियमानी निज़ाम को हम बेहतर से बेहतर चलाएंगे।

आखिर मैं सर, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ बड़ी हम्बलनेस के साथ कि आपके अख़्तियारात बहुत ज्यादा हैं। आर्टिकल-92 और 97 आपको इंडिपेंडेंट करार देता है और सर, डिस्क्रीशनरी पॉवर्स आपके बहुत ज्यादा हैं। मेरी आपसे एक गुज़ारिश है कि जब आप अपने

डिस्क्रीशनरी पावर्स का इस्तेमाल करेंगे तो जरूर इस बात का खयाल रखिए कि मैं जो फैसला करूँगा उससे डिबेट होगा या इस हाउस को स्टाइफल कर दिया जाएगा।

सर, स्टैंडिंग कमेटी के बारे में मौजूद रुकन ने कह ही दिया है, अगर कोई मंत्री आकर आपसे कहेगा कि मुझे जल्दी है इस बिल को पास कराने के लिए तो सर, ये आपकी उस अजीम चेयर की तौहीन होगी क्योंकि पार्लियमानी निज़ाम में स्कूटनी बहुत ज्यादा है, इसीलिए सर, मैं सुप्रीम कोर्ट ने किहोतो होलोहान में कहा था कि “the Speaker is the very embodiment of propriety and impartiality.”

सर, हम हिज्बे इख्तलाफ से ताल्लुक रखते हैं, हम उम्मीद करते हैं और गुज़ारिश करते हैं कि हमको खुलकर इस हुकूमत पर तनक्रीद करने का मौका मिलेगा, हमारी आवाज़ की आप हिफाज़त करेंगे। आप प्रोटेक्टर भी हैं सर, आप हमारा सपोर्ट भी करेंगे। मैं फिर से आपको मुबारकबाद पेश करता हूँ। शुक्रिया।

(इति)

माननीय अध्यक्ष : सुखबीर सिंह बादल जी।

1208 hours

SHRI SUKHBIR SINGH BADAL (FEROZPUR): Speaker Sir, on behalf of the people of Punjab and Shiromani Akali Dal, I would like to congratulate you. The hon. Prime Minister has beautifully explained your life. Sir, you being a farmer, a social worker and having spent 27 years in public life, are fully aware of the problems of the people. You are connected to the grassroots. This Parliament represents 1.3 billion people, approximately 17 per cent of the world's population. Sir, the only problem here is, numbers count – the higher the number, the more say you have; the lower the number, the less say you have. There are about 10 States and 6 Union Territories, which have less than five Members of Parliament. Sir, regional parties and the minorities always have less numbers in this House. So, we all have full faith in you. We all feel, you being a neighbour of Punjab, you know the issues.

(1210/KKD/MM)

I would request you, Sir, that the minorities, regional parties and States with small numbers should be given more time so that they can express their views because their problems may be bigger than other bigger States. I would request you to consider allocating more time to the smaller States.

I would once again thank you very much.

(ends)

1211 hours

SHRI P. RAVEENDRANATH KUMAR (THENI): Hon. Speaker, Sir, *Vanakkam*.

I place on record my sincere thanks to hon. Puratchi Thalaivi Amma for the benevolent blessings for which I am privileged to be a Member of Parliament representing Theni Parliamentary Constituency.

On behalf of the AIADMK party leaders and on my own behalf, I wholeheartedly congratulate you for becoming the Presiding Officer of this august House.

Sir, I see in you a seasoned Parliamentarian, an ardent social worker and a simple human being, who has the connect with the masses. I extend my best wishes to you, Sir.

I am a beginner but I hope that with the able guidance of senior and seasoned leaders like you, I can make a big difference.

Sir, Tamil Nadu has always been a progressive State. The law-abiding people of my State, Tamil Nadu, are so much patriotic and hardworking. They put nation and language before everything else. The Government of Tamil Nadu and the people of my State see and aspire for overall and multifaceted development of the country.

Perarignar Anna guided us to see God in the smile of a poor man. Puratchi Thalaivar MGR, throughout his life, worked relentlessly for the welfare of the poor. Puratchi Thalaivi Amma successfully implemented several welfare measures for the upliftment of the poor.

Hon. Speaker, Sir, I see in you, a philanthropist who has always been kind and helpful to the poor.

Sir, your simplicity and affection towards the humanity have made you rise up the ladder to occupy this high post.

Sir, while extending my heartfelt and sincere wishes to you, I seek your valuable guidance in effectively fulfilling my parliamentary duties as a Member of Parliament.

We have so much expectation from the Union Government led by an ever-inspiring leader, the hon. Prime Minister, Shri Narendra Modiji. We are happy to be an ally of the National Democratic Alliance, which swept the recent elections and came to power at the Centre.

Sir, I will be an ambassador and a tool in bridging the gap, if any, between the Union Government and the State Government of Tamil Nadu. I am full of hope that our genuine demands will get due attention and be fulfilled. I am thankful to the hon. Chief Minister and the hon. Deputy Chief Minister of Tamil Nadu. I also extend my heartfelt congratulations to all the hon. Members of the House of People.

I look forward to work closely with each one of you and get your valuable guidance and unwavering support.

Thank you so much for this opportunity.

Thank you, Mother India. *Vanakkam*.

(ends)

माननीय अध्यक्ष : मैं माननीय सदस्यों से फिर आग्रह करूंगा कि वे अपनी बात संक्षेप में कहें।

1213 hours

श्री हनुमान बैनिवाल (नागौर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी महापंचायत के सर्वोच्च पद पर आप विराजमान हुए हैं। मैं प्रधान मंत्री जी का हृदय से धन्यवाद देता हूँ, आभार प्रकट करता हूँ और पूरी आरएलपी, पार्टी की तरफ से, राजस्थान की जनता की तरफ से और देश के नौजवानों की तरफ से आपको बारम्बार बधाई देता हूँ। आप राजस्थान की विधान सभा में दो बार मेरे साथ विधायक के रूप में विराजमान हुए हैं। एक बार जब कांग्रेस की सरकार में किसानों और नौजवानों पर अत्याचार हुए तो आपने सड़कों से लेकर विधान सभा तक मजबूत लड़ाई लड़ी। जैसा कि प्रधान मंत्री जी ने आपके बारे में बताया कि आप छात्र जीवन से विधान सभा और विधान सभा सदस्य से लोक सभा और लोक सभा सदस्य से लोक सभा अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए हैं। यह राजस्थान के लिए गौरव की बात है। आज राजस्थान की मिट्टी धन्य हो गयी, देश के जवान धन्य हो गए। वे सभी अपने को आशान्वित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि ओम बिरला जी जो राजस्थान में यूथ आइकॉन के रूप में जाने जाते थे, आज देश की सबसे बड़ी पंचायत के मुखिया के रूप में विराजे हैं। निश्चित रूप से हमारी जैसी छोटी पार्टियां, वैसे तो हम सत्ता पक्ष एनडीए के घटक दल के रूप में हमेशा सरकार को सपोर्ट करते रहेंगे।

(1215/SJN/RP)

लेकिन जहां जवानों, किसानों के मामले आएंगे, तो आप हम छोटी पार्टियों को भी संरक्षण देंगे। आज पूरा राजस्थान गौरवान्वित है। मैं पुनः प्रधान मंत्री जी और गृह मंत्री जी को इस बात के लिए अपनी तरफ से धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने एक ऐसा फैसला लिया है। जब कल इस देश को और हमें सोशल मीडिया के माध्यम से, टेलीविजन और समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिली थी कि श्री ओम बिरला जी, लोक सभा के नए अध्यक्ष होंगे, तो हर कोई इस बात को लेकर बहुत ज्यादा खुश था कि एक ऐसा व्यक्ति जो छात्र जीवन से लेकर विधान सभा, लोक सभा और लोक सभा के अंदर भी लोक सभा के अध्यक्ष के पद पर विराजमान होगा। जिसने राजस्थान की सड़कों से लेकर विधान सभा और लोक सभा में एक अच्छे पार्लियामेन्टरीयन के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज

कराई है। वह देश की सर्वोच्च संस्था - लोक सभा के अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए हैं, तो निश्चित रूप से पूरे देश के अंदर हर्ष का माहौल है। मेरे साथ यहां जो राजस्थान के सांसदगण विराजमान हैं, रामचरण बोहरा जी, राहुल कस्वां जी।

माननीय अध्यक्ष : हनुमान जी।

श्री हनुमान बैनिवाल (नागौर) : महोदय, एक मिनट। मैं इनका भी साथ दे दूं, नहीं तो ये आपको अलग से पर्ची भेजेंगे, अरविन्द कुमार शर्मा जी, निहाल चन्द जी, सी. पी. जोशी जी और बालक नाथ जी। मैं इन सब की तरफ से भी बधाई देता हूं और राजस्थान के सारे सांसदों की तरफ से भी आपको बधाई देता हूं। आप हमारा ध्यान रखिएगा। हम सब मिलकर एक नए देश का निर्माण करेंगे और मोदी जी के सपनों को पूरा करेंगे। धन्यवाद, जय हिन्द।

(इति)

1217 hours

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Thank you very much, Sir. First of all, I congratulate you on behalf of my Party RSP on assuming the highest Office of the biggest democracy in the world.

I firmly believe that 25 years of your experience as a legislator will give fruitful result to the parliamentary democracy of this country, especially, the 17th Lok Sabha. My humble suggestion to you is that the Speaker has a very important role in protecting the democratic rights of the Members of the Opposition so as to have a healthy democracy in our country. This Lok Sabha, this House, has a long tradition of respecting and recognising the sentiments of the Opposition Members. That is a long-cherished tradition of this House.

I would like to quote Pandit Jawaharlal Nehru here. Shri Pinaki Misra has rightly quoted the rest of it. I quote:

“The Speaker represents the House. He or she represents the dignity of the House, the freedom of the House and because the House represents the nation, in a particular way, the Speaker becomes a symbol of nation's freedom and liberty. Therefore, that should be an honoured position, a free position and should be occupied always by persons of outstanding ability and impartiality.”

Sir, I hope that the Chair held by your good Office will discharge its functions in an impartial manner. I fully support the observations made by the hon. Prime Minister on the first day, on 17th June, that an active and effective Opposition is required in having a good democracy. We fully support it. We will be very active. We will be very effective. But we appeal one thing to the

Government. In the last session of the 16th Lok Sabha, I have moved more than 500 amendments but none of them has been accepted or recognised or reviewed by the Government. Kindly review the position. The Government has to review them. Any suggestion coming from the Opposition, if it is constructive and useful to the nation, may be accepted. Kindly accept it. Such a constructive mechanism has to be taken up by the Government, at least, in the 17th Lok Sabha.

I would also like to conclude with felicitations and other suggestions. Dr. Murli Manohar Joshi has headed a Parliamentary Pay Panel. As per Article 98(2), we have to maintain the independence of Parliament. In order to have the independence of Parliament, there is a suggestion to have an urgent legislation to regulate the recruitment of staff of Parliament. That is long pending. I humbly submit before you that you can create a history by having an urgent legislation so as to regulate the recruitment of staff of Parliament so that the independence of Parliament can be maintained.

With these words, I conclude. I once again extend my heartiest congratulations to you for assuming this Office. Thank you very much.

(ends)

1219 बजे

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामदास अठावले) : महोदय, सभी पार्टियों, एनडीए और यूपीए के सभी मेंबर्स यहां पर मौजूद हैं। आज का दिन हमारे लिए बहुत बड़ी खुशी का दिन है कि आप अध्यक्ष पद पर विराजमान हो गए हैं।

(1220/GG/RCP)

“एक देश का नाम है, रोम, लेकिन लोक सभा के अध्यक्ष बन गए हैं, बिरला ओमा
लोक सभा का आपको अच्छी तरह चलाना है काम,
वेल में आने वालों का ब्लैक लिस्ट में डालना है, नामा
नरेन्द्र मोदी जी और आपका दिल है विशाल, राहुल जी आप अब रहो खुशहाला
हम सब मिलकर हाथ में लेते हैं एकता की मशाल और भारत को बनाते हैं और भी विशाल।
आपका राज्य है राजस्थान, लेकिन लोक सभा की आप बन गए हैं, जाना
भारत की हमें बढ़ानी है शान, लोक सभा चलाने के लिए आप जैसा परफेक्ट है, मैना ”

मुझे आपने बोलने का मौका दे दिया है। मैं लोक सभा के चुनावों में खड़ा नहीं था, इसलिए मैं इधर नहीं था। जब मैं खड़ा होता था, तब मैं मेंबर बनता ही था। लेकिन मेरी रिपब्लिकन पार्टी है, मुझे मंत्रालय दे दिया है। मेरी पार्टी भी आपके साथ है। हमें देश को चलाना है। राहुल जी का आज बर्थडे है... (व्यवधान) राहुल जी, भी हमारे मित्र है। आपको वहां बैठने का मौका मिला है, इसके लिए मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं। आपने बहुत कोशिश की है। लोकतंत्र में होता है कि जो लोग चाहते हैं, उनकी सत्ता आती है। आपकी सत्ता बहुत साल तक रही है। जब आपकी सत्ता थी, तब मैं आपके साथ था... (व्यवधान) चुनाव के पहले कांग्रेस के लोग बोल रहे थे कि, इधर आओ, इधर आओ, लेकिन मैंने बोला कि ऊधर जाकर मैं क्या करूं? मैंने हवा का रुख देखा कि हवा नरेन्द्र मोदी जी तरफ जा रही है... (व्यवधान) इसीलिए लोक तंत्र में होता है। आप लोगों ने भी कोशिश की, मोदी साहब ने भी कोशिश की और हमने भी कोशिश की। लोगों ने जो मेनडेट दिया है, उसको मानकर, मैं अपोजीशन से भी निवेदन करना चाहता हूं कि बिल पास करने, देश को चलाने, और कानून बनाने के लिए आपकी आवश्यकता है। नरेन्द्र मोदी जी को पता है कि जो भी छोटा दल हो, कोई भी हो, हम

सबको सुनेंगे, सबको न्याय देने का काम करेंगे। सभी राज्यों को न्याय देने का काम करेंगे। इसीलिए हमारी सरकार पांच साल तक चलेगी। पांच साल होने के बाद और पांच साल चलेगी और बाद में ऐसे ही चलती रहेगी, मतलब हम इतना अच्छा काम करते रहेंगे... (व्यवधान) हम अच्छा काम करते रहेंगे, तो हमारी सरकार आती रहेगी। हम अच्छा काम नहीं करेंगे, तो आप आ जाओ, लेकिन हम आपको जल्दी नहीं आने देंगे। मैं सबको हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं आपको भी हार्दिक बधाई देता हूँ। आप एक अनुभवी आदमी हैं, आप ज्यादा हंसते नहीं हैं, लेकिन मैं आपको हंसाऊंगा। मैं एक बार फिर आपको धन्यवाद देता हूँ। आप हाउस को अच्छी तरह से चलाएं और मुझे भी कभी-कभार बोलने का मौका दीजिए। जय भीम, जय भारता।

(इति)

(1225/KN/MMN)

1225 बजे

श्री मोहनभाई सांजीभाई देलकर (दादरा और नागर हवेली): सर, बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं भी अपने आपको धन्यवाद प्रस्ताव के साथ जोड़ता हूँ। जैसा कि यहाँ पर आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा है और हमारे जितने भी माननीय सदस्य इस पर बोले हैं, मैं भी अपने आपको इसमें जोड़ता हूँ। आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ, आपका धन्यवाद करता हूँ। सर, आपके बारे में सुनने के बाद बहुत खुशी हुई, बहुत अच्छा लगा। जैसा कि आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने यहाँ पर बताया कि आपका सरल स्वभाव और आपकी जो कार्य-शैली है, उससे यह बिल्कुल साफ हो चुका है कि आपकी कार्य-शैली से, आपके सरल स्वभाव से न सिर्फ सदन को फायदा होगा, बल्कि मैं समझता हूँ कि पूरे देश को फायदा होगा। यह बात आज साबित हो चुकी है। सर, मैं निर्दलीय चुन कर आया हूँ और जैसे यहाँ सारे लोगों ने गुजारिश की, मेरी भी आपसे गुजारिश है कि छोटे दल जो अपक्ष हों, उनको भी मौका दिया जाए।

सर, मैं सातवीं बार चुन कर आया हूँ इस लोक सभा में। मैं आपसे चाहूँगा, यह विनती है कि जितनी भी पॉलिटिकल पार्टीज की मीटिंग्स होती हैं या सदन में समय देने की बात आती है, अपक्ष के चुने हुए जो प्रतिनिधि हैं, उनको भी मौका दिया जाए। फिर एक बार मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

(इति)

1226 hours

SHRI THOMAS CHAZHIKADAN (KOTTAYAM): Respected hon. Speaker, Sir, I take this opportunity to congratulate you on being elected unanimously as the Speaker of this august body of Seventeenth Lok Sabha.

India is the largest working democracy in the world, and you are holding the highest position in this august legislative body of India. Sir, I wish you every success in this highest legislative body of this country for discharging your responsibilities as the custodian and Presiding Officer of this body.

As we all know, being a Speaker is not a very easy job. While it is a highly prestigious position, it can also be a crown of thorns. The standard set by our founding fathers for a Speaker is quite high.

You are an experienced parliamentarian both in the State Legislature and in the Lok Sabha. So, I am sure that you will be able to discharge your responsibilities in the House in the true interest of the entire nation. Also, I am sure that you will be able to protect the interest of all Members, irrespective of their party affiliations. As was already mentioned here, ours is a multi-party democratic system. Ours is a small party from the far south of Kerala. Whether we belong to a larger Party or a smaller party, we expect that we all get the same consideration from you for discharging our duties and representing the people of India.

Once again, permit me to congratulate you. I assure you the whole-hearted support from my Party and myself. Thank you, Sir.

(ends)

1228 बजे

श्री नाबा कुमार सरनीया (कोकराझार): थैंक यू सर। मेरे क्षेत्र की तरफ से आपको हार्दिक शुभकामनाएँ। मैं दोबारा निर्दलीय चुन कर आया हूँ। हमारे क्षेत्र के लोगों को भी लगता है कि हमको भी मौका मिलना चाहिए और समय से मिलना चाहिए। हम कभी भी आपको डिस्टर्ब नहीं करेंगे। हमारा जो मुद्दा है, उसे आप उठाने के लिए मौका देंगे। इसके साथ आपको धन्यवाद देता हूँ।

(इति)

1229 hours

SHRI P.R. NATARAJAN (COIMBATORE): Sir, I thank you for the opportunity given by you to greet you.

As unanimously elected Speaker of the Seventeenth Lok Sabha, you have an experience of more than 25 years in the Legislative Assembly as well as in the Lok Sabha. Our request is, as correctly pointed out by the RSP Member, who has quoted a quotation of Jawaharlal Nehru regarding the post of the Speaker, equality and the tradition of the House must be maintained by you, and we expect that.

(1230/CS/VR)

We had an experience of majority with our leader late Shri Rajiv Gandhi in the same Lok Sabha. Majority alone will not decide; a majority alone will give you so many troubles. That is the sign. Let us wait and see. Thank you, Sir.

(ends)

1231 hours

SHRI K. SUBBARAYAN (TIRUPPUR): Thank you, Speaker, Sir, for giving me this opportunity. I also welcome you to the Chair. My humble request is, please save the democratic method and the parliamentary democratic system.

I am very happy to greet you. My heartiest wishes to you. Thank you.

(ends)

1231 hours

माननीय अध्यक्ष : माननीय प्रधान मंत्री जी, मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यगण, सभी राजनीतिक दलों के नेतागण, सभी माननीय सदस्यगण, 17वीं लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में मेरे प्रति किए गए आप सभी के समर्थन के लिए मैं हृदय के अंतःकरण से आपका आभार व्यक्त करता हूँ। इस चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए मेरे ऊपर विश्वास जताने के लिए मैं सभी दलों का धन्यवाद प्रकट करता हूँ। मैं माननीय प्रोटेम स्पीकर डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी और उनकी प्रो-टीम श्री सुरेश कोडिकुन्निल जी, श्री भर्तृहरि महताब जी, श्री बृजभूषण शरण सिंह जी और उनकी पूरी टीम को भी धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने दो दिन तक इस सदन की कार्यवाही को बेहतरीन ढंग से चलाया। मैं देश की जनता का भी आभार व्यक्त करता हूँ। लोकतंत्र के इस महायज्ञ में देश की जनता ने पूरे उल्लास, उमंग और उत्साह के साथ आहुति दी। यह लोकतान्त्रिक व्यवस्था के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। हमारे सामने बहुत चुनौतियाँ हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी हैं। सदन में सभी माननीय सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। मैं भी वर्ष 2014 से वर्ष 2019 तक आपके बीच का एक सदस्य रहा हूँ। मैं जानता हूँ कि लाखों मतदाताओं के विश्वास, भरोसे के साथ हम इस संसद के मन्दिर में आते हैं और संसद के मन्दिर में आने के बाद हमारे क्षेत्र की जनता, पूरे देश की जनता का यह विश्वास, भरोसा रहता है कि हम समाज के अन्तिम व्यक्ति की बात सदन के माध्यम से करेंगे। जो सभी दलों ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह पीठ, यह अध्यक्ष की कुर्सी निष्पक्ष होनी चाहिए और निष्पक्ष दिखनी भी चाहिए। मेरा प्रयास होगा कि मैं हर माननीय सदस्य, चाहे किसी दल का एक सदस्य हो, चाहे वह सदस्य कितनी बड़ी संख्या वाले दल का हो और इसीलिए हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि हम संख्या के बल के आधार पर नहीं, हम इस देश के अंदर सबके विश्वास को लेकर चलना चाहते हैं। यह देश वह देश है, जिसका सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

(1235/RV/SAN)

सबसे बड़े लोकतंत्र में होने के बाद जिस तरीके से निष्पक्ष रूप से और पारदर्शी तरीके से हमारे यहां इस लोकतंत्र के उत्साह को मनाया जाता है, जिस उमंग और उत्साह के साथ तपती धूप के अन्दर घंटों इन्तज़ार करने के बाद लोग मत देकर हम सबको चुन कर भेजते हैं, वे इस विश्वास, भरोसे के साथ भेजते हैं कि हम उनके बुनियादी सवालों को उठाएंगे, उनके अभावों को उठाएंगे। पिछली बार सरकार ने उनके विश्वास, भरोसे को कायम रखा। इसीलिए, पुनः सरकार को अधिक संख्या बल के आधार पर देश की जनता फिर विश्वास और भरोसे के साथ लायी है। इसीलिए, अब सरकार की ज्यादा जिम्मेदारी बन जाती है कि जिस तरीके का विश्वास, भरोसा, देश की जनता ने सरकार पर व्यक्त किया है, मैं निश्चित रूप से मानता हूँ कि सरकार की जवाबदेही ज्यादा बनती है।

मेरी सरकार से भी यह अपेक्षा रहेगी कि वह अधिक जवाबदेही से, अधिक पारदर्शिता से इस देश के अन्दर काम करे, ताकि हम देश के अन्दर एक मिसाल कायम कर सकें।

मैं माननीय सदस्यों को यह आश्चस्त करना चाहता हूँ कि आप सब लोग, जो चुन कर आते हैं, आप सबका यह मंच लोकतंत्र का एक मन्दिर है। आप अपने बुनियादी सवालों को, बुनियादी बातों को, जो जनता आपके बीच कहती है, सदन के माध्यम से देश को अवगत कराना चाहते हैं, अपनी जनता को भी अवगत कराना चाहते हैं। लेकिन, मेरा आपसे आग्रह है कि कई बार मैं सदन में देखता हूँ कि ऐसे बुनियादी सवाल, जो केन्द्र सरकार या सदन के अनुकूल नहीं हैं, उन सवालों को भी संसद में उठाया जाता है। मैं सभी माननीय सदस्यों से यह कहना चाहूँगा कि लोगों ने हमें संसद सदस्य के रूप में चुन कर भेजा है और संसद सदस्य के रूप में चुन कर भेजने के कारण हमें हमेशा वह सवाल उठाना चाहिए, जो देश की सरकार के प्रति है। मेरा सरकार से भी आग्रह रहेगा कि सरकार भी, हर माननीय सदस्य के सवालों का, चाहे वे शून्य काल में हों, चाहे प्रश्न काल में हों, जवाबदेही के साथ जवाब देगी और आपकी भावनाओं का पूरा-पूरा ध्यान रखेगी।

मुझे विश्वास है कि माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में जो भरोसा, देश की जनता ने हमें दिया है, आप सब लोग और हम सब के नेता के रूप में माननीय प्रधान मंत्री जी यहां पर हैं, मेरी भी

कोशिश होगी कि मैं आप सबका संरक्षण करूँ। माननीय प्रधान मंत्री जी ने खुद कहा है कि वे सभी, जिन्होंने मुझे वोट दिया, वे भी और जिन्होंने नहीं दिया, वे भी हमारे हैं। सबके विचार और धारा अलग हो सकती है, सबकी नीतियां भी अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब यहां सदन में इसलिए आए हैं कि हमारा देश समृद्धशील बने, आगे बढ़े। आज दुनिया के अन्दर भारत आगे बढ़ रहा है। दुनिया के अन्दर भारत की एक बड़ी मिसाल बनी है। इस सदन के माध्यम से हम सबकी यह कोशिश होनी चाहिए कि हम संसदीय मर्यादा में रहें, ताकि जिस तरीके से हमारा लोकतंत्र पूरा विश्व में माना जाता है, हमारी संसदीय परम्परा की भी पूरे विश्व में लोग मिसाल दे सकें। यही मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूँ।

मुझे आशा है कि सभी माननीय सदस्य, आपने मुझे जो यह जिम्मेदारी दी है, मैं आप सबकी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन कर सकूँ। निष्पक्ष रूप से, निर्बाध रूप से सदन चलाने में आप मेरा सहयोग करेंगे। आप निश्चित मानिए कि आप सदन में संख्या में कितना भी कम होंगे, लेकिन आपकी हर बुनियादी बातों का संरक्षण करने की मेरी जिम्मेदारी है, जिसे मैं निश्चित रूप से निभाने की कोशिश करूँगा।

वन्दे मातरम्।

मंत्रियों का परिचय

1239 बजे

माननीय अध्यक्ष : मैं माननीय प्रधान मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि वे मंत्रिमंडल का परिचय कराएं।

प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं आप से और आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन से अपने मंत्रिपरिषद के सहयोगियों का परिचय कराना चाहता हूँ।

कैबिनेट मंत्री

श्री राजनाथ सिंह	रक्षा मंत्री
श्री अमित शाह	गृह मंत्री
श्री नितिन जयराम गडकरी	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

(1240/MY/RBN)

श्री डी. वी. सदानन्द गौड़ा	रसायन और उर्वरक मंत्री
श्रीमती निर्मला सीतारमण	वित्त मंत्री तथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्री
श्री रामविलास पासवान	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री
श्री नरेन्द्र सिंह तोमर	कृषि और किसान कल्याण मंत्री, ग्रामीण विकास मंत्री तथा पंचायती राज मंत्री
श्री रवि शंकर प्रसाद	विधि और न्याय मंत्री, संचार मंत्री तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
श्रीमती हरसिमरत कौर बादल	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री
श्री थावर चंद गहलोत	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर	विदेश मंत्री
डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक	मानव संसाधन विकास मंत्री
श्री अर्जुन मुंडा	जनजातीय कार्य मंत्री

डॉ. हर्ष वर्धन	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
श्री प्रकाश जावड़ेकर	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री
श्री पीयूष गोयल	रेल मंत्री तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्री
श्री धर्मेन्द्र प्रधान	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री तथा इस्पात मंत्री
श्री मुख्तार अब्बास नकवी	अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
श्री प्रह्लाद जोशी	संसदीय कार्य मंत्री, कोयला मंत्री तथा खान मंत्री
डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय	कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री
श्री अरविंद गणपत सावंत	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
श्री गिरिराज सिंह	पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन मंत्री
श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत	जल शक्ति मंत्री

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

श्री संतोष कुमार गंगवार	श्रम और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री राव इंद्रजीत सिंह	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री श्रीपाद येसो नाईक	आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
डॉ. जितेन्द्र सिंह	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री तथा अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री

श्री किरेन रिजीजू	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा अल्पसंख्यक मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री प्रहलाद सिंह पटेल	संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री आर. के. सिंह	विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री हरदीप सिंह पुरी	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री, नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री मनसुख एल. मांडविया	पोत परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

राज्य मंत्री

श्री फगन सिंह कुलस्ते	इस्पात मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अश्विनी कुमार चौबे	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(1245/CP/AK)

श्री अर्जुन राम मेघवाल	संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री
जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कृष्णपाल गूर्जर	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री दानवे रावसाहेब दादाराव	उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री जी. किशन रेड्डी	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री परषोत्तम रूपाला	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रामदास अठावले	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
साध्वी निरंजन ज्योति	ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री बाबुल सुप्रियो	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री संजीव कुमार बालियान	पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री संजय धोत्रे	मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री, संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अनुराग सिंह ठाकुर	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सुरेश चन्बासप्पा अंगडी	रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री नित्यानन्द राय	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रतन लाल कटारिया	जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री वी. मुरलीधरन	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती रेणुका सिंह सरुता	जनजातीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सोम प्रकाश	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री रामेश्वर तेली	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री प्रताप चन्द्र सारंगी	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कैलाश चौधरी	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
सुश्री देबाश्री चौधरी	महिला और बाल विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

MEMBER SWORN -- Contd.

1248 hours

माननीय अध्यक्ष : महासचिव महोदया।

BIHAR – contd.

Shri Santosh Kumar (Purnia)

माननीय अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही कल दिनांक 20 जून, 2019 को महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के पूर्ण होने के आधे घंटे पश्चात् पुनः समवेत् होने तक स्थगित की जाती है।

1250 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा गुरुवार, 20 जून, 2019/30 ज्येष्ठ, 1941 (शक) को राष्ट्रपति के अभिभाषण के आधे घण्टे बाद तक के लिए स्थगित हुई।